बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 24 ● अंक: 01 ● नई दिल्ली ● शनिवार 04 अक्तूबर 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए ठहराया जाए जवाबदेह; पीओके में पाकिस्तान सेना की बर्बरता पर भारत

नई दिल्ली । पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में कई दिनों से जारी विरोध प्रदर्शनों पर भारत ने प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा कि हमने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में विरोध प्रदर्शनों की खबरें देखी हैं, जिनमें पाकिस्तानी सेना की तरफ से निर्दोष नागरिकों पर की गई बर्बरता भी शामिल है। हमारा मानना है कि यह पाकिस्तान के दमनकारी रवैये और इन इलाकों से संसाधनों की व्यवस्थित लूट का स्वाभाविक परिणाम है, जो उसके जबरन और अवैध कब्जे में हैं। पाकिस्तान को उसके भयावह मानवाधिकार उल्लंघनों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

अब छठ पूजा में यमुना में नहीं दिखेगा झाग! दिल्ली सरकार का खास प्लान तैयार

नई दिल्ली। दिल्ली में हर साल छठ पूजा के दौरान यमुना नदी में गंदगी और झाग की समस्या छठ व्रतियों के लिए परेशानी का सबब बनती है। लेकिन अब इस समस्या से निजात पाने के लिए दिल्ली सरकार ने यमुना नदी की गाद और अतिक्रमण की स्थिति का आकलन करने के लिए आधुनिक तकनीक से सर्वे कराने का फैसला किया है। इस सर्वे के आधार पर गाद हटाने की योजना तैयार की जाएगी। केंद्रीय जल आयोग के अधिकारियों के अनुसार, यमुना में गाद और अतिक्रमण के कारण हथनीकुंड बैराज से छोड़ा गया पानी पहले की तुलना में तेजी से दिल्ली पहुंच रहा है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए दिल्ली सरकार ने पल्ला से जैतपुर तक यमुना के 48 किलोमीटर हिस्से का बैथिमेट्रिक और टोपोग्राफिक सर्वे कराने के लिए टेंडर जारी किया है।

नजफगढ़ ड्रेन का भी होगा सर्वे

बैथिमेट्रिक सर्वे से नदी की तलहटी की स्थिति का पता चलेगा, जबकि टोपोग्राफिक सर्वे से नदी के डूब क्षेत्र और आसपास की भौगोलिक स्थिति की जानकारी मिलेगी। इससे अतिक्रमण और नदी में गिरने वाले नालों का विस्तृत विवरण प्राप्त होगा। टेंडर आवंटन के बाद यह कार्य आठ महीने में पूरा होगा। इसके साथ ही, नजफगढ़ ड्रेन का भी सर्वे किया जाएगा।

आधुनिक उपकरणों का होगा उपयोग

सर्वे में मल्टी बीम सोनार, ध्वनि डॉपलर, जीपीएस, और गति सेंसर जैसे आधुनिक उपकरणों का उपयोग

होगा। गाद हटाने के लिए सरकार को राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) से अनुमति लेनी होगी, क्योंकि वर्तमान में नदी क्षेत्र में खुदाई पर प्रतिबंध है। विशेषज्ञों का कहना है कि गाद की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए पूरी नदी का अध्ययन जरूरी है, क्योंकि गाद ऊपरी क्षेत्रों से दिल्ली तक पहुंच रही है।

ऊपरी बेसिन में मिट्टी संरक्षण पर जोर

वर्ष 2017 में गठित माधव चितले समिति ने गंगा नदी से गाद हटाने के लिए ऊपरी बेसिन में मिट्टी संरक्षण, वनीकरण, और मिट्टी कटाव रोकने की सिफारिश की थी। इसी तरह, चीन की येलो नदी में गाद की समस्या को वनीकरण और मानसून से पहले जलाशयों की सफाई के जरिए नियंत्रित किया जाता है। गोदावरी नदी में भी इस तकनीक का उपयोग किया जाता है।

यमुना की गाद के लिए व्यापक योजना जरूरी

साउथ एशिया नेटवर्क ऑन डैम्स, रिवर्स एंड पीपल (सैंड्रप) के समन्वयक बीएस रावत का कहना है कि केवल दिल्ली में सर्वे से सीमित लाभ होगा। जलवायु परिवर्तन, बांध, पुल निर्माण, और मशीनों से खनन के कारण गाद की समस्या बढ़ रही है। जलवायु परिवर्तन के चलते तीव्र बाढ़ के साथ अधिक गाद यमुना तक पहुंच रही है। इसके लिए यमुना के स्रोतों और गाद के कारणों का गहन अध्ययन कर योजना बनानी होगी।

गाद प्रबंधन नीति की कमी

केंद्र सरकार को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली, और उत्तर प्रदेश के साथ मिलकर गाद प्रबंधन के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। गाद निकालने के साथ-साथ इसके निपटान की योजना भी जरूरी है। कई बार नालों से निकाली गई गाद किनारे छोड़ दी जाती है, जो बारिश में वापस नालों में चली जाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि देश में अभी नदियों के गाद प्रबंधन के लिए कोई स्पष्ट नीति नहीं है। दिल्ली सरकार का यह कदम यमुना को स्वच्छ और छठ पूजा को और सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। सर्वे के परिणामों के आधार पर तैयार योजना से न केवल यमुना की सफाई होगी, बल्कि बाढ़ और अतिक्रमण की समस्या से भी निजात मिलने की उम्मीद है।

आप नेता सौरभ भारद्वाज ने की अश्विनी वैष्णव की तारीफ, दिल्ली स्टेशन में वीडियो बनाकर क्या कहा?

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की तारीफ की है. उन्होंने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर अपने अनुभव को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक वीडियो के जरिए साझा किया. सौरभ ने कहा कि आलोचना के साथ-साथ अच्छे काम की सराहना करना भी जरूरी है. सौरभ भारद्वाज ने वीडियो में बताया कि वे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर पहुंचे थे. वहां उन्होंने स्लीपर क्लास के वेटिंग रूम का दौरा किया और वहां के टॉयलेट का इस्तेमाल किया. उन्हें टॉयलेट की साफ-सफाई देखकर हैरानी हुई, क्योंकि यह उनकी उम्मीदों से कहीं बेहतर था. उन्होंने कहा, वहां साफ-सफाई के लिए एक व्यक्ति तैनात था, जो लगातार काम कर रहा था. यह देखकर मुझे लगा कि रेलवे में सुधार हो रहा है.

आलोचना के साथ सराहना भी जरूरी

सौरभ ने अपने ङ्क पोस्ट में कहा, आज नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हूं और कई बार मैंने रेलवे विभाग और खासतौर पर इसके मंत्री अश्विनी वैष्णव के बारे में आलोचना की है कि ट्रेन एक्सीडेंट बहुत हुए हैं और वो सच भी है. मगर आज मैं प्लेटफॉर्म नंबर वन, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर आया हूं और मैं यह स्लीपर क्लास के वेटिंग रूम में गया. उन्होंने आगे कहा, मैंने यहां का शौचालय इस्तेमाल किया और वह मेरी उम्मीद से बेहतर था. साफ सुथरा था. वहां पर साफ सफाई के लिए एक आदमी लगा हुआ था और काफी क्लीन था. तो मैं यह मानता हूं कि कोई चीज अच्छी हो तो उसके बारे में हमें उम अक्नॉलिमेंट भी करना चाहिए. तो यह चीज मुझे लगा कि रेलवे ने इंप्रूव की है. सौरभ भारद्वाज का यह बयान रेलवे के सुधार की दिशा में एक सकारात्मक कदम को दर्शाता है. आमतौर पर रेलवे स्टेशनों की साफ-सफाई को लेकर शिकायतें रहती हैं, लेकिन सौरभ के इस अनुभव ने दिखाया कि रेल मंत्रालय इस दिशा में काम कर रहा है. उनकी इस तारीफ से यह भी साफ होता है कि वे निष्पक्ष होकर अच्छे काम की सराहना करने में विश्वास रखते हैं.

ट्रेन हादसों पर उठते रहे हैं सवाल

बता दें रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को लेकर अक्सर विवाद उठते रहे हैं. खासकर ट्रेन हादसों के बाद विपक्ष ने उन पर तीखे हमले करता रहा है. चाहे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ हो या बालासोर रेल हादसा, हर बार रेल मंत्री विपक्ष के निशाने पर आए हैं. कई मौकों पर संसद में उनके और विपक्ष के बीच तीखी बहस भी देखने को मिली है.

कापसहेड़ा में स्पेशल सेल ने विदेश बैठे गैंगस्टरों के दो गुर्गे दबोचे, एक के पैर में लगी गोली

नई दिल्ली । दिल्ली में आज भी मुठभेड़ हुई है। स्पेशल सेल की टीम ने शुक्रवार सुबह कापसहेड़ा इलाके में मुठभेड़ के बाद दो कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आकाश राजपूत निवासी श्रीगंगानगर, राजस्थान और महिपाल निवासी भरतपुर, राजस्थान के रूप में हुई है। सूत्रों के मुताबिक, आकाश राजपूत जुलाई 2022 में असंध (करनाल) के एक अस्पताल के बाहर हुई फिरौती की गोलीबारी में शामिल था, जिसे विदेश बैठे गैंगस्टर दलेर कोटिया ने अंजाम दिलवाया था। साथ ही जुलाई 2025 में गुजरात में फिरौती के लिए हुए एक अपहरण मामले में भी वह वांछित था। इस मामले में विदेश बैठे गैंगस्टर किरितसिंह झाला ने पीड़ित से 100 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। आकाश राजपूत पर राजस्थान पुलिस ने 20,000 रुपये का इनाम भी घोषित कर रखा था। जानकारी के अनुसार, आकाश राजपूत वांछित गैंगस्टरों जगदीश जागला और अभिषेक गौड़ के जरिए रोहित गोदारा, गोल्डी बराड़ और वीरेंद्र चारण से जुड़ चुका था। वह भारत से विदेश भागने के लिए फर्जी पासपोर्ट बनवाने की तैयारी में था। इसी तरह, महिपाल भी असंध गोलीकांड में जेल गया था और बाद में बेल पर छूटने के बाद आकाश के साथ मिलकर विदेश बैठे गैंगस्टरों से जुड़ गया था। आज सुबह कापसहेड़ा में हुई मुठभेड़ में आकाश राजपूत को पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे काबू कर लिया गया। घायल आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों अपराधियों से पूछताछ जारी है और पुलिस विधिक कार्रवाई में जुटी हुई है।

तेज बारिश से पहले गले... फिर बड़ी मुश्किल से जले दशानन, भव्य रामलीला की ओर से आज होगा दहन

पूर्वी दिल्ली ।

पूर्वी दिल्ली की रामलीला में उस वक्त मायूसी छा गई, जब बारिश ने रावण दहन में खलल डाल दी और उत्सव का मजा किरकिरा कर दिया। लोग रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों को जलते हुए देखने के लिए इकट्ठा हुए थे और इंतजार कर रहे थे। इससे पहले कि उनके पुतलों को जलाया जाता वह बारिश में भीग कर गल गए।

ऐसे में पुतलों कों बड़ी मुश्किल से जलाया गया। पूर्वी दिल्ली स्थित सीबीडी ग्राउंड में भव्य रामलीला सोसाइटी की ओर से बृहस्पतिवार को रावण दहन नहीं किया गया। लोगों की सुरक्षा को देखते हुए आयोजकों ने शुक्रवार की शाम रावण दहन करने का निर्णय लिया है।

आयोजकों ने इस बार दहन के लिए 80 फुट का रावण, 75 फुट का कुंभकरण और 70 फुट का मेघनाद का पुतला तैयार किया है। शास्त्री पार्क स्थित विष्णु अवतार रामलीला, सीबीडी ग्राउंड स्थित बालाजी रामलीलाल, प्रीत विहार स्थित बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पुतले गीले होने की वजह से देरी से दहन किया गया। रावण दहन करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

80-70 फुट के जलाए गए रावण

पूर्वी दिल्ली के सीबीडी ग्राउंड स्थित बालाजी रामलीला में 80 फुट का रावण, 75 फुट का कुंभकर्ण, और 70 फुट का मेघनाद का पुतला दहन किया गया। वहीं, शास्त्री पार्क स्थित डीडीए मैदान में विष्णु अवतार रामलीला कमेटी की ओर से 70 फुट का रावण, 65 फुट का कुंभकर्ण और 60 फुट का मेघनाद का पुतला जलाया गया।

इको फ्रेंडली रावण किया गया दहन

पूर्वी दिल्ली के रामलीला में इस बार आयोजकों ने पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए इको फ्रेंडली रावण तैयार करवाए थे, ताकि प्रदूषण को कम किया जा सके। इसके लिए उन्होंने रावण दहन में ग्रीन पटाखों का इस्तेमाल किया और पटाखों की आवाज की जगह साउंड इफेक्ट का उपयोग किया।

दिल्ली सरकार का कश्मीरी विस्थापितों के लिए बड़ा फैसला, बिना आय सीमा, हर परिवार को मिलेगी राहत

नई दिल्ली। दिल्ली की बीजेपी सरकार ने आज राजधानी दिल्ली में रह रहे कश्मीरी विस्थापितों के लिए ऐतिहासिक निर्णय लिया है, जिसके तहत अब बिना किसी आय की सीमा के सभी 1800 विस्थापितों के परिवार के हर सदस्य को को हर महीने दिल्ली सरकार की तरफ से 3 हज़ार 250 रुपये दिए जाएंगे. साथ ही दिल्ली सरकार के नए नियम के मुताबिक यह पैसा परिवार के अधिकतम चार सदस्यों को मिलेगा यानी हर महीने एक कश्मीरी परिवार को दिल्ली सरकार करीब 13 हज़ार रुपये तक देगी.

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने ऐलान किया कि दिल्ली सरकार तीन दशकों से अधिक समय से अपने घरों से दूर रह रहे कश्मीरी हिन्दू विस्थापितों राहत राशि देने की जल्द ही प्रक्रिया शुरू करेगी. साथ ही दिल्ली सरकार के मुताबिक नए निर्णय के तहत सरकार ने 26,800 रुपये मासिक आय सीमा की शर्त को समाप्त कर दिया है, यानी दिल्ली में रह रहे सभी 1800 कश्मीरी चाहें उनकी कितनी भी आय हो वो दिल्ली सरकार से मिलने वाली हर महीने मदद के पात्र होंगे. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने

जानकारी दी कि 1990 के दशक की शुरुआत में आतंकवाद की विभीषिका के कारण हजारों कश्मीरी हिन्दू परिवार अपने घर-आंगन छोड़ने को मजबूर हुए और दिल्ली व एनसीआर के विभिन्न हिस्सों में आ बसे थे, इन परिवारों को जीवनयापन के लिए सरकार की ओर से 'एड-हॉक मंथली रिलीफ' दी जाती रही है, लेकिन समय के साथ बनी कठोर नीतियों और पुराने नियमों ने उनके जीवन को और कठिन बना दिया, खासकर आय सीमा की शर्त और परिवार के रिकॉर्ड को अपडेट न कर पाने की जटिलता ने कई विस्थापित परिवारों को वर्षों तक परेशान रखा और इसका परिणाम यह निकला कि पिछले डेढ़ साल से यह राहत राशि वितरित नहीं हो पा रही थी. मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने और शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कश्मीरी विस्थापितों को बुलाकर उनकी समस्याएं सुनीं, जिसके बाद राजस्व विभाग को आदेश जारी किए गए हैं.

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मुताबिक अब सभी पंजीकृत कश्मीरी विस्थापित परिवारों को उनकी वर्तमान आय की परवाह किए बिना राहत भत्ता जारी किया जाएगा और यह कदम कोई दान नहीं, बल्कि ऐतिहासिक विस्थापन के कारण मिलने वाला अधिकार है, जो मानवीय आधार पर दिया जाना चाहिए. सरकार ने इस फैसले को विशेष अवसर योजना' के तौर लागू करने का भी निर्णय लिया है, जिसके तहत सभी विस्थापित परिवारों को अपने परिवार के वर्तमान सदस्यों का विवरण दर्ज करने का एक बार अवसर मिलेगा और इस प्रक्रिया में पुराने रिकॉर्ड को बिना किसी भय या पूर्व भुगतान की वसूली के अपडेट किया जा सकेगा, साथ ही इससे वर्षों से अटकी पारिवारिक सूचियों में पारदर्शिता और निष्पक्षता आएगी. इसके अलावा दिल्ली सरकार ने यह भी निर्णय लिया है कि सितंबर 2025 तक का समस्त बकाया राहत भत्ता जारी किया जाएगा, ताकि प्रभावित परिवारों को तत्काल आर्थिक राहत और भरोसा मिल सके. मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम न केवल राहत वितरण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करेगा बल्कि जम्मू-कश्मीर में पहले से लागू राहत व्यवस्थाओं के अनुरूप समानता भी सुनिश्चित करेगा साथ ही सबसे बढ़कर यह निर्णय विस्थापित समुदाय की असाधारण पीड़ा को सम्मानपूर्वक स्वीकार करता है और उनकी दशकों पुरानी व्यथा पर सरकार का मानवीय मरहम लगाने का काम करेगा.

जातिवाद, वैचारिक विरोधी और संघ

उमेश चतुर्वेदी ।

यह संयोग ही है कि ठीक सौ साल पहले 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई, ठीक उसके कुछ ही महीने बाद छब्बीस दिसंबर 1925 को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना हुई। सौ साल की यात्रा को जब पीछे मुड़कर देखते हैं तो पता चलता है कि जोर-शोर से शुरू हुआ भारतीय कम्युनिस्ट आंदोलन भारत भूमि पर दम तोड़ता नजर आ रहा है, जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा लगातार आगे बढ़ रही है। सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक मोर्चे पर संघ की वैचारिकी की प्रगति यात्रा जारी है। एक ही वक्त पर शुरू दोनों वैचारिकी में एक विशेष अंतर रहा। वाम आंदोलन के निशाने पर सदा संघ की विचारधारा और संगठन रहा। संघ के खिलाफ कभी सत्ता के सहयोग से तो कभी किसी और तरीके दुष्प्रचार खूब फैलाया गया। उसी में एक विचार ऐसा है कि संघ मुसलमानों के खिलाफ है। वैचारिक और सामाजिक मोर्चे पर यह भी स्थापित करने की कोशिश की गई कि संघ भारतभूमि से मुस्लिम धर्म का समूल खात्मा चाहता है। लेकिन हकीकत कुछ और है। संघ की प्रतिनिधि सभा के सदस्य और वरिष्ठ कार्यकर्ता इंद्रेश कुमार जी के संयोजन में साल 2002 से 'राष्ट्रीय मुस्लिम मंच' नाम का संगठन काम कर रहा है। इसका प्रमुख उद्देश्य इस्लाम मानने वाले भारतीय लोगों के बीच 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के संदर्भ में भारतीय राष्ट्रीयता के विचार को बढ़ावा देना है। संघ का कोई घोषित या अघोषित उद्देश्य नहीं है कि भारत भूमि मुस्लिम लोगों से मुक्त हो। संघ का प्रयास है कि भारत के मुसलमानों को लेकर स्थापित छवि बदले और राष्ट्र निर्माण में भी उनकी भूमिका हो। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर 'गुरु' जी रचित किताब 'बंच ऑफ थॉट' का हवाला देकर अक्सर संघ को मुस्लिम विरोधी और सांप्रदायिक होने का प्रयास किया जाता है। वामपंथी विचारधारा के बुद्धिजीवियों को जब भी संघ पर हमला करना होता है, 1966 में प्रकाशित इसी किताब का वे हवाला देते हैं। संघ के मौजूदा सरसंघचालक मोहन राव भागवत जी इस बारे में अपनी राय खुलकर जाहिर कर चुके हैं। सात साल पहले सितंबर 2018 में दिल्ली के विज्ञान भवन में हुई तीन दिनों की विशेष व्याख्यान माला के आखिरी दिन 20 सितंबर को संघ प्रमुख ने श्रोताओं से आमंत्रित प्रश्नों का जवाब दिया था। उसमें 'बंच ऑफ थॉट' को लेकर भी एक प्रश्न पूछा गया था। उस प्रश्न के जवाब में मोहन राव भागवत ने कहा था, 'रही बात, बंच ऑफ थॉट्स की, तो बातें जो बोली जाती हैं वे परिस्थिति विशेष, प्रसंग विशेष के संदर्भ में बोली जाती हैं। वे शाश्वत नहीं रहतीं।' इसी सवाल के जवाब में भागवत जी ने आगे कहा था, आरएसएस कोई संकीर्ण संगठन नहीं है. समय के साथ हमारे विचार और इनका प्रकटीकरण भी बदलता है। संघ प्रमुख मुसलमान समुदाय को लोगों को भी अपना ही मानते हैं। इसी व्याख्यान माला में उन्होंने कहा था कि, 'हम एक देश की संतान हैं, भाई-भाई जैसे रहें। इसलिए संघ का अल्पसंख्यक शब्द को लेकर रिजर्वेशन है। संघ इसको नहीं मानता. सब अपने हैं, दूर गए तो जोड़ना है।' संघ को लेकर एक आरोप लगता है कि वह जातिवादी है। विशेषकर संघ विरोधी बुद्धिजीवी कहने से नहीं हिचकते कि संघ में उच्च जातियों का वर्चस्व है। के एस भारती द्वारा संपादित और 1988 में प्रकाशित 'इनसाइक्लोपीडिया ऑफ एमिनेंट थिंकर के सातवें खंड में दिए विवरण के अनुसार महात्मा गांधी 1934 में वर्धा में आयोजित संघ के एक शिविर का दौरा किया था।

तब वे बगल में ही सेवाग्राम आश्रम में ठहरे हुए थे। संघ के शिविर का जिज्ञासावश दौरा करने पहुंचे गांधी जी को यह देखकर आश्चर्य हुआ था कि गांधीजी को इस बात से और भी आश्चर्य हुआ कि वर्धा शिविर में अस्पृश्यता, जातिगत उपेक्षा या अन्य भेदभावपूर्ण तौर-तरीके बिलकुल नहीं थे। गांधी जी के दौरे वक्त संघ के शिविर में अप्पाजी जोशी थे। इससे गांधी जी बहुत प्रभावित हुए थे। संघ और गांधी के संबंधों को लेकर भी बहुत कुछ लिखा जा चुका है। लेकिन गांधी वांग्मय में संग्रहीत तथ्यों से इससे जुड़े वैचारिक कुहासे से भी भी पर्दा उठता है। गांधी वांग्मय के 87वें खंड में मिलता है। इसके अनुसार अप्रैल 1947 में दिल्ली में हिंदू-मुस्लिम एकता के संदर्भ में हुई एक प्रार्थना सभा में, गांधीजी ने बताया था कि उन्हें संघ से एक पत्र मिला है, जिसमें इस बात से इनकार किया गया है कि हाल ही में गांधीजी द्वारा अपनी सभाओं में कुरान की आयतों को गीता की आयतों के साथ रखने के विरोध में संघ का कोई हाथ था। गांधीजी ने कहा कि उन्हें इस खंडन के बारे में सुनकर खुशी हुई, और आगे कहा कोई भी संगठन जीवन या धर्म की रक्षा नहीं कर सकता जब तक कि वह पूरी तरह से खुले तौर पर काम न करे। सितंबर 1947 में गांधीजी नई दिल्ली में संघ कार्यकर्ताओं से मिले थे। तब गांधी जी उनसे कहा था कि वास्तव में उपयोगी होने के लिए, आत्म-बलिदान के साथ-साथ पवित्र उद्देश्य और सच्चे ज्ञान का भी समावेश होना आवश्यक है। संघ के जातिवादी होने के सवाल पर विज्ञान भवन के कार्यक्रम में भागवत जी ने कहा था कि अगर भारत में अंतरजातीय विवाहों की गणना किया जाए तो अंतरजातीय विवाह करने वालों में सबसे ज्यादा संख्या संघ के स्वयंसेवकों की होगी। संघ पर वामपंथी लोगों का विरोधी होने का भी आरोप लगता है। लेकिन संघ प्रमुख इसे भी साफ कर चुके हैं। राष्ट्र हित के संदर्भ में वाम विचारधारा पर सवाल उठने जायज हैं। वाम विचारधारा भारतीयता की धारणा को तार-तार करती है। लेकिन उसे मानने वाले लोगों से संघ कभी घृणा नहीं करता, नहीं विद्वेषभाव रखता है। संघ प्रमुख तो अब बार-बार कहते हैं कि भारत में जो भी हैं, सब अपने हैं। उन्हें अपने साथ जोड़ना है। संघ ने शताब्दी वर्ष में जो पंच प्रतिष्ठा निर्धारित की है, उसमें तीसरा 'सामाजिक समरसता' है। सामाजिक समरसता के संदर्भ में संघ का मानना है कि भारत भूमि में रहने वाले सभी लोग अपने हैं। कुछ भटके हुए हैं, उन्हें अपने साथ जोड़ना है और भारत राष्ट्र को स्वावलंबी और मजबूत बनाना है। यह तभी संभव होगा, जब समूचे भारत का समाज एक होगा।

सम्पादकीय...

पंजाब में प्रवासियों पर नहीं अपराधियों पर शिकंजा कसें

बीते कुछ दिनों से पंजाब में प्रवासियों को लेकर काफी चर्चा चल रही है। कुछ निहंग जत्थेबंदियों के द्वारा प्रवासियों को पंजाब से बाहर निकालने के लिए मुहिम भी शुरू की गई है। असल में देखने में आ रहा है कि प्रवासियों के रूप में कुछ आपराधिक प्रवृति के लोग आकर लूटपाट, महिलाओं से छेड़छाड़, मारपीट की घटनाओं को अन्जाम दे रहे हैं। अगर देखा जाए तो आज की तारीख में पंजाब की खुशहाली और तरक्की में प्रवासियों का बड़ा योगदान है मगर कुछ एक लोगों के कारण समूचे प्रवासी बदनाम होते दिख रहे हैं जिसके लिए प्रशासन की अहम जिम्मेवारी बनती है कि वह ऐसे प्रवासियों पर शिकंजा कसे और जो भी आपराधिक मामलों में शामिल हो उस पर सख्त कार्रवाई की जाए। भारत एक लोकतांत्रिक देश है और देश की आजादी से लेकर आज तक हर धर्म, जाति के लोग देश के किसी भी राज्य में बिना किसी रोक- टोक के आपसी भाईचारे और प्रेम भाव के साथ रहते आ रहे हैं, वैसे भी देखा जाए तो पंजाब गुरुओं-पीरों की धरती है और गुरु साहिबान ने तो ''मानस की जात सबै एक पहचानबो'' की शिक्षा दी है, भाव संसार का हर प्राणी एक समान है, किसी भी तरह की उंच, नीच, धर्म, जाति के भेदभाव को मिटाकर आपस में मिलजुल कर रहने की बात सिखाई। आज जो लोग दूसरे राज्यों से आकर पंजाब में बसे और यहां आए उन्हें कई साल बीत चुके हैं, पंजाब की तरक्की, खुशहाली में उनका अहम रोल है। उन्हें प्रवासी कहकर एकाएक राज्य से निकालने की बात की जाए, यह किसी भी तरह से उचित नहीं है। अगर वह प्रवासी हैं तो पंजाब से जो लोग दूसरे राज्यों में बसे हैं वह भी तो वहां के लोगों के लिए प्रवासी ही हुए, इसलिए इसे यहीं रोकना होगा वरना इसके गंभीर परिणाम आने वाले दिनों में निकल सकते हैं। आज हालात ऐसे हैं कि पंजाब का युवा वर्ग या तो विदेशों में पलायन कर चुका है और जो युवा बचा है उनमें से ज्यादातर खेती-बाड़ी या छोटे कारोबार करने में अपनी तौहीन समझते हैं। ऐसे में प्रवासियों के सहारे के बिना एक भी दिन गुजारना मुश्किल है क्योंकि प्रवा?सियों के द्वारा ही खेती और जो पंजाबी विदेशों में जा बसे हैं उनके घरों की देखभाल की जा रही है। इंग्लैंड में शिरोमणि गुरुद्वारा कमेटी तालमेल सैन्टर का उद्घाटन शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के द्वारा इंग्लैंड में बरमिंघम में खालसा पंथक अकादमी के सहयोग से तालमेल सैन्टर खोला गया है जिसका लाभ खासकर इंग्लैंड की सिख संगत जो भारत में गुरुधामों के दर्शनों के लिए आते हैं को होगा। इस सैन्टर को खुलवाने का पूरा श्रेय सिख पंथ में एक अलग पहचान रखने वाले गुरविन्दर सिंह बावा जो कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी, तख्त पटना साहिब, तख्त सचखंड हजूर साहिब नांदेड़, चीफ खालसा दीवान, खालसा कालेज मुम्बई सहित अनेक धार्मिक संस्थाओं से जुड़े हुए हैं, उन्हें जाता है। जिन्होंने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी अध्यक्ष हरजिन्दर सिंह धामी सहित अन्य कमेटी सदस्यों के समक्ष इंग्लैंड की संगत को आने वाली परेशानियों से अवगत करवाया जिसके बाद कमेटी ने इंग्लैंड में तालमेल सैन्टर खोलने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इस कार्य के लिए इंग्लैंड की संगत ने शिरोमणि कमेटी के साथ ही विशेष तौर पर गुरविन्दर सिंह बावा का भी आभार प्रकट किया। इस सिलसिले में शिरोमणि कमेटी द्वारा एक प्रतिनिधि मण्डल जिसमें बीबी हरजिन्दर कौर, राजिन्दर सिंह मेहता सहित अन्य पदाधिकारियों को बरमिंघम उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए भेजा गया। इस मौके पर कीर्तन समागम के पश्चात अरदास करके सैन्टर का रस्मी तौर पर उद्घाटन किया गया। असल में इंग्लैंड से जब सिख संगत भारत आकर तख्त साहिबान पर दर्शनों के लिए जाने पर रिहाइश, ट्रांसपोर्ट आदि की दिक्कत पेश आती थी जो इस सैन्टर के खुलने के बाद दूर होगी और इस सैन्टर में जाकर संगत भारत आने से पूर्व ही अपने सभी तरह के इन्तजाम कर सकेगी। आने वाले दिनों में इस तरह के सैन्टर अन्य देशों में भी खोले जा सकते हैं। पाकिस्तान में दस्तारधारी सिखों पर पुलिस का अत्याचार पाकिस्तान जिसे लहंदा पंजाब कहकर भी सम्बोधित किया जाता है उसके पंजाब, सिन्ध और खैबर क्षेत्र में पाकिस्तानी पुलिस के द्वारा दोपहिया वाहनों पर सवार दस्तार सिखों के चालान किए जा रहे हैं और साथ ही पैट्रोल पंपों को भी बिना हैलमट दोपहिया सवार को पैट्रोल ना देने का आदेश जारी किया है जिसके चलते पाकिस्तान के सिख काफी परेशान हैं। सिख मर्यादा के अनुसार सिख सिर पर किसी भी तरह की टोपी तक नहीं पहन सकता।सिख ब्रदरहुड इन्टरनैशनल के राष्ट्रीय सैक्रेट्री जनरल गुणजीत सिंह बख्शी का कहना है कि इससे अन्दाजा लगाया जा सकता है कि पाकिस्तानियों के भीतर सिखों के प्रति कितनी नफरत भरी है और सिखों पर जो जुल्म इनके पूर्वजों ने किए हैं यह आज भी उन पर कायम है और जानबूझ कर इस तरह के कानून बनाकर सिखों के सिरों से दस्तार उतरवाकर हैलमेट पहनाना चाहते हैं जो सिख कौम कभी होने नहीं देगी। इससे पहले फ्रान्स में भी एक बार ऐसा ही माहौल बना था तब उस समय के नेता बख्शी जगदेव सिंह, जत्थेदार संतोख सिंह के द्वारा अन्य सिख नेताओं के साथ मिलकर दिल्ली में मोर्चा लगाकर फ्रान्स की सरकार को सिखों के लिए दस्तार क्यों जरूरी है बताया जिसके बाद सरकार के द्वारा आदेश वापिस लिया गया था। आज भी सिख कौम को अगर जरूरत पड़ी तो शायद वह मोर्चे लगाने में पीछे नहीं रहेगी। मगर यहां सवाल गुरपतवंत सिंह पन्नू से भी बनता है जो विदेशी धरती पर बैठकर सिखों के सबसे बड़े हमदर्द बनने की नौटंकी करते हैं कि आज जब पाकिस्तान में सिखों की दस्तार पर हमला हो रहा है तो वह चुप्प क्यों बैठे हैं उनकी ओर से अभी तक इस पर कोई बयान क्यों नहीं आया।

जेन जेड का आक्रोश?

आज दुनियाभर में जेनरेशन जेड की चर्चा है। अक्सर युवाओं के बारे में धारणा है कि यह जेनरेशन दिनभर मोबाइल हाथ में लिए घूमती रहती है। उनकी उंगलियां मोबाइल, लैपटॉप या टैबलेट पर चलती रहती हैं। जेनरेशन जेड किताबों से दूर हो गई है। इस पीढ़ी का समाज से कोई सीधा रिश्ता नहीं रहा, कोई संवाद नहीं रहा। वे अपनी दुनिया में रहते हैं लेकिन ?दुनिया की राजनीति, समाज और सत्ता के समीकरणों में सबसे बड़ा परिवर्तन जिस ताकत के कारण आया है वह है जेन जेड की यह पीढ़ी। जेनरेशन जेड की चिंता को बढ़ाने वाली बात यह है कि वे अपने माता-पिता या दादा-दादी की तुलना में उसी उम्र में अलग तरह से समाचारों के संपर्क में आते हैं; युवा लोग सामाजिक मुद्दों और घटनाओं से जुड़ी सामग्री का लगभग लगातार उपभोग कर रहे हैं। सिर्फ एक स्मार्टफोन के जरिए, लोग सोशल मीडिया साइट्स, सर्च इंजन, समाचार साइट्स और टीवी के जरिए 24/7 रिपोर्टिंग का फुटपाथ पा सकते हैं। यह पीढ़ी, जो 1997 से 2012 के बीच जन्मी मानी जाती है, डिजिटल युग की संतान है। इसके हाथ में स्मार्टफोन है, इसकी भाषा सोशल मीडिया है और इसकी शक्ति टेक्नोलॉजी है। यह पीढ़ी पारंपरिक विचारधाराओं और बड़े नेताओं के भाषणों की जगह अब नए औजारों के जरिये सत्ता को चुनौती देती है। इतिहास गवाह है कि फ्रांसीसी क्रांति रोबेस्पियर जैसे वक्ताओं की वजह से हुई और क्यूबा की क्रांति फिदेल कास्त्रो जैसे नेताओं के भाषणों से उभरी, लेकिन आज क्रांति का समीकरण पूरी तरह बदल चुका है। अब आंदोलन का केंद्र है- युवा का गुस्सा + सोशल मीडिया + टेक्नोलॉजी। 21वीं सदी में जन्मी जेन जेड पीढ़ी केवल उपभोक्ता या दर्शक नहीं है, बल्कि डिजिटल युग की असली शक्ति और मानसिकता की प्रतीक बन चुकी है। यह पीढ़ी इंटरनेट, स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के साथ पली-बढ़ी है, इसलिए इसकी सोच वैश्विक और तात्कालिक है। जेन जेड तर्कसंगतता, पारदर्शिता और तेजी से बदलती परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने की क्षमता रखती है। जेन जेड वह पीढ़ी है जिसने किताबों से ज्यादा स्क्रीन देखी, पोस्टकार्ड से ज्यादा ईमेल और सोशल मीडिया पोस्ट लिखी और अखबार से ज्यादा ट्वीटर/एक्स पर खबरें पढ़ीं। इस पीढ़ी की सबसे बड़ी विशेषता है स्पीड- यह बदलाव को जल्दी स्वीकार करती है और उतनी ही जल्दी विद्रोह भी खड़ा कर देती है। जेन जेड पारंपरिक सत्ता ढांचे से सवाल पूछती है और पारदर्शिता की मांग करती है। जलवायु परिवर्तन से लेकर भ्रष्टाचार, लोकतंत्र से लेकर लैंगिक समानता तक, यह हर विषय पर मुखर है। ज्यादातर सरकारें भ्रष्ट होती हैं। जैसे ही संचित भ्रष्टाचार अपनी सीमा पार कर जाता है, वह खतरनाक क्षेत्र में पहुंच जाता है, और बड़े पैमाने पर अशांति पैदा करने के लिए बस एक चिंगारी, जैसे सोशल मीडिया पर प्रतिबंध, की जरूरत होती है। ऐसी अशांति को लगभग हमेशा विदेशी मदद मिलती है।

जिस देश में भागता हुआ प्रधानमंत्री शरण मांगता है, वह आपको बताता है कि किस अन्य देश का इस अशांति को भड़काने में हाथ था, बांग्लादेश और श्रीलंका इसके उल्लेखनीय उदाहरण हैं। अन्ना हजारे आंदोलन के दौरान भारत में भी ऐसे ही हालात थे। इस साल कई देशों में जेनरेशन जेड का प्रदर्शन देखने को मिला। शुरुआत इंडोनेशिया से हुई थी और अब पेरू में युवाओं ने मोर्चा संभाला है।

27 सितंबर को पेरू की राजधानी लीमा में हजारों युवाओं ने राष्ट्रपति दीना बोलुआर्ते के खिलाफ नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज भी किया, जिसके जवाब में युवाओं ने पथराव किया। दरअसल, ये विरोध 20 सितंबर को पेंशन प्रणाली में किए गए बदलावों के बाद शुरू हुए। नए नियम के अनुसार, पेरू में 18 साल से अधिक उम्र के हर व्यक्ति को किसी न किसी पेंशन कंपनी से जुड़ना होगा। इसके अलावा राष्ट्रपति बोलुआर्ते और संसद के खिलाफ लंबे समय से जनता में असंतोष बना हुआ है। इसी साल 31 अगस्त से लेकर 1 सितंबर के बीच इंडोनेशिया में युवाओं ने सांसदों के बढ़े भत्ते के खिलाफ आंदोलन किया था। इस प्रदर्शन में 8 लोगों की मौत हो गई थी। आंदोलन के बाद दबाव में राष्ट्रपति प्रबोवो ने आवास भत्ते का फैसला रोक दिया था। 1 सितंबर को नीदरलैंड में भी युवाओं ने आंदोलन किया था। इजराइल की मदद करने की बात को लेकर युवाओं का गुस्सा फूटा था। प्रदर्शन के बाद सरकार ने नीति बदलने का वादा किया था। 8 से 13 सितंबर के बीच नेपाल में युवाओं ने जोरदार प्रदर्शन किया था। सोशल मीडिया बैन और भ्रष्टाचार को लेकर युवाओं ने संसद का घेराव किया, आगजनी की। इस प्रदर्शन के दौरान 72 लोगों की मौत हुई और 2113 लोग घायल हुए। 10 सितंबर को फ्रांस में भी युवाओं ने बजट कटौती के विरोध में हड़तालें कीं। हालांकि, सरकार अभी अडिग है। 15 से लेकर 17 सितंबर के बीच तिमोर-लेस्ते में सांसदों की जीवनभर पेंशन और कारों की योजना के खिलाफ जेनरेशन जेड ने प्रदर्शन किया। सरकार को दबाव में प्रस्ताव को वापस लेना पड़ा और युवाओं की जीत हुई। 21 सितंबर फिलीपींस में बाढ़ नियंत्रण भ्रष्टाचार के खिलाफ करीब 1 लाख लोग जुट गए। इस आंदोलन के दौरान दो लोगों की मौत हुई, 205 लोग घायल हुए और 216 लोगों की गिरफ्तारी भी हुई। दबाव में स्पीकर सीनेट-चीफ को इस्तीफा देना पड़ा। 25 सितंबर को मेडागास्कर में बिजली-पानी संकट और भ्रष्टाचार के विरोध में प्रदर्शन किया गया। इस दौरान 5 लोगों की मौत होने से युवा भड़के हुए हैं। मेडागास्कर के बाद अब मोरक्को में विरोध-प्रदर्शन और हिंसा का दौर देखा जा रहा है। मोरक्को में सरकार विरोधी प्रदर्शनकारी बुधवार को लगातार पांचवीं रात सड़कों पर उतरे हैं। विरोध प्रदर्शन में हिंसा और तोड़फोड़ के बाद सुरक्षाबलों ने बल प्रयोग किया है और सैकड़ों की संख्या में गिरफ्तारियां की गई हैं।

बिहार का 'आदर्श'

बिहार ज्ञान और जनक्रांति की धरती है। बिहार ने अध्यात्म सभ्यता, संस्कृति को सहेज कर रखा है। बिहार वह भू-भाग है जिसके बिना भारत के इतिहास की कल्पना नहीं की जा सकती। बिहार में ही चाणक्य जैसा राजनीतिज्ञ एवं कूटनीतिज्ञ, आर्यभट्ट जैसा वैज्ञानिक, सम्राट अशोक जैसा शासक और सिखों के दशम गुरु गुरु गोबिंद ?सिंह जैसे साहसी वीर पैदा हुए हैं। दुनिया की सबसे पुरानी यूनिवर्सिटी नालंदा विश्वविद्यालय बिहार में ही स्थापित हुई। बिहार के लोगों के बुद्धि कौशल के बारे में मशहूर है कि शिक्षा के मामले में बिहार के लोग काफी कुशल होते हैं लेकिन बिहार को लेकर के आम धारणाएं अच्छी नहीं हैं। बिहार के लोग बुद्धिमान और मेहनती हैं, ऐसा हर जगह सुना जाता है। इसके बावजूद बिहार गरीब और पिछड़ा राज्य है, यह भी सुना जाता है। ज्ञान भौगोलिक परिस्थि?तियों में तय होने वाला विषय कैसे हो सकता है। पहनावा, खान-पान, घरों के प्रकार, भूगोल द्वारा तय हो सकते हैं लेकिन लोगों के ज्ञान का पैमाना धारणाओं से तय नहीं किया जा सकता। गरीब और पिछड़े राज्य ने डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद जैसे विद्वान दिए हैं तो वशिष्ठ नारायण सिंह जैसे सफल गणितज्ञ भी दिए हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत को विश्व गुरु बनाने में बिहार के लोगों की बहुत बड़ी भूमिका है। बिहार में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं। गरीबी में पले-बढ़े 18 वर्षीय छात्र-अन्वेषक आदर्श कुमार को बुधवार को लंदन में एक समारोह में एक लाख अमेरिकी डॉलर के 'ग्लोबल स्टूडेंट प्राइज 2025' का विजेता घोषित किया गया। आदर्श को 148 देशों से प्राप्त लगभग 11,000 नामांकनों और आवेदनों में से इस वार्षिक पुरस्कार के लिए चुना गया। यह पुरस्कार ऐसे असाधारण छात्र को दिया जाता है जिसने शिक्षा और समग्र समाज पर वास्तविक प्रभाव डाला हो। बिहार के चंपारण में जन्मे आदर्श का पालन-पोषण अकेले उनकी मां ने किया है। उनकी मां ने आदर्श की पढ़ाई का खर्च निकालने के लिए दूसरे के घरों में झाड़ू-पोछा का काम किया। आदर्श जयपुर के जयश्री पेरीवाल इंटरनेशनल स्कूल (जेपीआईएस) में 30 लाख रुपये की पूर्ण छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले पहले छात्र बने और अब वह दूसरों को भी इसे प्राप्त करने के लिए मदद करते हैं। आदर्श को यूट्यूब और गूगल से छोटी उम्र में ही 'कोडिंग' और स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी का तब पता चला जब उनकी मां ने उन्हें लैपटॉप दिलाने के लिए अपनी जीवन भर की बचत खर्च कर दी थी। उन्होंने आठवीं कक्षा में अपना पहला उद्यम शुरू किया, जो असफल रहा। लेकिन उनके दूसरे उद्यम, 'मिशन बदलाव' ने 1,300 परिवारों को आयुष्मान भारत कार्ड, पेंशन, कोविड-19 टीके और स्कूल नामांकन जैसी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में मदद की। आदर्श की कहानी उसकी व्यक्तिगत जीत से कहीं ज्यादा है। उसकी कहानी एक युवा के हौसले, कुछ कर दिखाने का जुनून और धैर्य का प्रतीक है। ऐसे युवाओं की आवाज सुनी जानी चाहिए जिनसे भारत के युवा प्रेरित हो सकें। आदर्श सिर्फ 1000 रुपए लेकर आईआईटी, जेईई की कोचिंग लेने कोटा चला गया था।

जलेबी बेबी और क्रिकेट

डीजे की यह भूल दुबई में चर्चा का विषय बन गई। लगता है, मानो उसने पाकिस्तान के राष्ट्रगान और जलेबी बेबी को एक ही समझ लिया हो। नतीजा यह हुआ कि 21 सितम्बर को एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान पूरे छह सेकंड तक लाउडस्पीकर पर जलेबी बेबी की धुन गूंजती रही। मानो यह घटना ही पर्याप्त न रही हो, जलेबी बेबी गायक टेशर ने भी चुटकी ली और प्रतिक्रिया देते हुए कहा- साउंड गाइ को सलाम, जिसने एंथम गड़बड़ा दिया। जलेबी बेबी ही असली एंथम है। स्पष्ट रहे कि जलेबी बेबी कनाडाई गायक टेशर का लोकप्रिय गीत है। 2020 में जारी यह गाना अपनी मस्तीभरी और चटपटी धुन के चलते बेहद चर्चित हुआ। शीर्षक में 'जलेबी' का प्रयोग इसे देसी अंदाज देता है। एक वर्ष बाद गायक जेसन डेरूलो के साथ बने रीमिक्स संस्करण ने तो सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए लेकिन दुबई के मैदान पर एंथम की यह भूल खिलाड़ियों के लिए शर्मिंदगी से कम नहीं रही। पाकिस्तान की क्रिकेट टीम दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में राष्ट्रगान की औपचारिकता निभाने के लिए सीना ताने, हाथ दिल पर रखे खड़ी थी, और तभी यह हादसा हो गया। वैसे यह पहली बार नहीं है जब ऐसा हुआ हो। लाहौर में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मैच से पहले गलती से भारतीय राष्ट्रगान बजा दिया गया था। विडंबना यह रही कि भारत ने उस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था और सभी मैच दुबई में खेले थे। ज्ञातव्य है कि अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा आयोजित हर मैच से पहले प्रोटोकॉल के तहत दोनों टीमों के राष्ट्रगान बजाए जाते हैं। यह प्रक्रिया टॉस और खिलाड़ियों के आपसी हैंडशेक के साथ आगे बढ़ती है। हालांकि, इस बार सुर्खियां केवल राष्ट्रगान को लेकर नहीं रहीं, बल्कि हैंडशेक को लेकर भी विवाद खड़ा हो गया। टॉस के दौरान भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा से हाथ मिलाने से इन्कार कर दिया। जीत के बाद भी भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से पारंपरिक हैंडशेक करने से बचा लिया। इस विवाद के केंद्र में मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट आ गए।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने उन पर औपचारिक शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि हैंडशेक रोकने का निर्णय पाइक्रॉफ्ट का था। यहां तक कि उनके हटाए जाने की मांग भी उठी। हालांकि जांच में यह साफ हो गया कि पाइक्रॉफ्ट ने सिर्फ भारत का निर्णय दोनों टीमों तक पहुंचाया था। भारत द्वारा नो-हैंडशेक पॉलिसी अपनाने का फैसला पहलगाम हमले के पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए खिलाड़ियों की सामूहिक असहमति से उपजा। पाकिस्तानी टीम से हाथ मिलाने से इन्कार अचानक लिया गया निर्णय नहीं था, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति थी, जिसे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एशियाई क्रिकेट परिषद के वेन्यू मैनेजर तक पहले ही पहुंचा दिया था। हालांकि सवाल समय-सीमा को लेकर उठा। बताया गया कि मैच रेफरी पाइक्रॉफ्ट को टॉस से महज चार मिनट पहले सूचना दी गई कि भारतीय कप्तान अपने पाकिस्तानी समकक्ष से हाथ नहीं मिलाएंगे। बाद में सूर्यकुमार यादव ने पुष्टि की कि यह कदम भारत सरकार और बीसीसीआई की सलाह पर उठाया गया। बावजूद इसके कि पाकिस्तान ने तीखी प्रतिक्रिया जताई, भारत ने एक सप्ताह बाद पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए अगले मैच में भी नो-हैंडशेक पॉलिसी जारी रखी। 21 सितम्बर को भारतीय खिलाड़ी अपने प्रतिद्वंद्वियों के सामने से गुजर गए, बिना हाथ मिलाए। इतना ही नहीं, जीत के बाद टीम ने ड्रेसिंग रूम से बाहर निकलकर अंपायरों और अधिकारियों से तो हाथ मिलाया, लेकिन पाकिस्तानी खिलाड़ियों को नजरअंदाज कर दिया। जहां पाकिस्तान ने इस रवैये की कड़ी आलोचना की, वहीं भारत में मत विभाजित नजर आया। एक वर्ग ने इसे खेल भावना के विपरीत करार दिया, तो दूसरा मानता है कि भारतीय टीम ने बिल्कुल सही निर्णय लिया। असल सवाल यह है कि मामला केवल हाथ मिलाने तक सीमित है या उससे कहीं बड़ा है–क्या भारतीय टीम को परंपरा निभाकर तनाव कम करना चाहिए था, या फिर मौजूदा हालात में यही रुख सही था जिसने पहले से ही तनावपूर्ण रिश्तों में और कटुता भर दी? असल सवाल यह है कि भारत ने पाकिस्तान के साथ खेला ही क्यों? और यदि खेलने का फैसला लिया गया, तो राजनीति को खेल में क्यों घसीटा गया और इसे मैदान से बाहर की छींटाकशी में क्यों बदल दिया गया? पहले प्रश्न का जवाब बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने दिया। उनका तर्क था कि यह एक बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिता है, इसलिए भारत के पास विकल्प नहीं था। उन्होंने कहा कि 2013 से भारत और पाकिस्तान के बीच कोई द्विपक्षीय श्रृंखला नहीं हुई है। अगर भारत ने इस टूर्नामेंट का बहिष्कार किया होता, तो इससे भविष्य में भारत में होने वाले आयोजनों पर, जिनमें 2030 ओलंपिक की मेजबानी भी शामिल है, संकट आ सकता था।

बड़ी तस्वीर में देखें तो बीसीसीआई की यह दलील तर्कसंगत लगती है। लेकिन जब बात राष्ट्रीय भावना की आती है, तो यह तर्क फीका पड़ जाता है। क्योंकि अधिकांश भारतीयों के लिए राष्ट्र पहले का सिद्धांत किसी भी परिणाम से बड़ा होता है। इसी संदर्भ में आरपीजी समूह के चेयरमैन हर्ष गोयनका की सोशल मीडिया पोस्ट गूंज उठती है भारत बनाम पाकिस्तान कल। दिल कहता है मत देखो, दिमाग कहता है फर्क नहीं पड़ता, देशभक्ति कहती है बहिष्कार करो, समझदारी कहती है अपनी टीम को चीयर करो। यहां तक कि मेरे माई-बाप भी मुझे उलझे हुए संकेत दे रहे हैं। आखिर मैं करूं तो क्या करूं? लेकिन इसे यदि पहलगाम आतंकी हमले में शहीद शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशान्या के निर्णायक आह्वान से तौलें, तो तस्वीर और साफ हो जाती है। उन्होंने साफ कहा इस मैच को देखने मत जाइए और टीवी भी मत चालू कीजिए। उन्होंने बीसीसीआई पर भी निशाना साधते हुए कहा कि बोर्ड उन 26 परिवारों और ऑपरेशन सिंदूर के शहीदों के प्रति संवेदनशील नहीं है।ऐशान्या का गुस्सा सिर्फ बोर्ड तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने खिलाड़ियों से भी सवाल पूछा हमारे क्रिकेटर क्या कर रहे हैं? कहा जाता है कि क्रिकेटर राष्ट्रवादी होते हैं लेकिन 1-2 को छोड़कर किसी ने आगे आकर नहीं कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच का बहिष्कार होना चाहिए। बीसीसीआई उन्हें बंदूक की नोक पर खेलने नहीं भेज सकती। उन्हें अपने देश के लिए खड़ा होना चाहिए लेकिन वे ऐसा नहीं कर रहे। उन्होंने प्रायोजकों और प्रसारकों को भी कटघरे में खड़ा किया इस मैच से होने वाली कमाई कहां जाएगी? पाकिस्तान इसका इस्तेमाल सिर्फ आतंकवाद के लिए करेगा। वह एक आतंकी राष्ट्र है। आप उन्हें राजस्व देंगे और वही धन एक बार फिर हमारे खिलाफ इस्तेमाल होगा। ऐशान्या के दर्द और पीड़ा के सामने बीसीसीआई का भविष्य के टूर्नामेंट वाला तर्क बेमानी हो जाता है। इस परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय हित और क्रिकेट के बीच कोई तुलना ही नहीं रह जाती। बीसीसीआई खेल के भविष्य की बात कर सकती है, लेकिन पहलगाम आतंकी हमला आंखों के सामने खड़ा है। 26 निर्दोष पर्यटकों की दिनदहाड़े हत्या। इसके बरअक्स नो-हैंडशेक पॉलिसी केवल एक खोखला प्रतीकवाद लगती है, जैसा कि बहुतों ने कहा। अरबों भारतीयों के गुस्से, पीड़ा और आक्रोश को हल्का करके दिखाने से बुरा कुछ नहीं हो सकता। इस बात पर मतभेद हो सकता है कि भारत ने खेल को देश से ऊपर रखकर सही किया या नहीं, लेकिन पाकिस्तान के प्रति गहरी वैरभावना और शत्रुता में भारतीय जनता पूरी तरह एकजुट है।

बीसीसीआई उन्हें बंदूक की नोक पर खेलने नहीं भेज सकती। उन्हें अपने देश के लिए खड़ा होना चाहिए लेकिन वे ऐसा नहीं कर रहे। उन्होंने प्रायोजकों और प्रसारकों को भी कटघरे में खड़ा किया इस मैच से होने वाली कमाई कहां जाएगी? पाकिस्तान इसका इस्तेमाल सिर्फ आतंकवाद के लिए करेगा। वह एक आतंकी राष्ट्र है। आप उन्हें राजस्व देंगे और वही धन एक बार फिर हमारे खिलाफ इस्तेमाल होगा। ऐशान्या के दर्द और पीड़ा के सामने बीसीसीआई का भविष्य के टूर्नामेंट वाला तर्क बेमानी हो जाता है। इस परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय हित और क्रिकेट के बीच कोई तुलना ही नहीं रह जाती। बीसीसीआई खेल के भविष्य की बात कर सकती है, लेकिन पहलगाम आतंकी हमला आंखों के सामने खड़ा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार शास्त्री ने वन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, साउथ पैपतलना एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार शास्त्री, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2019/0...)

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के नवनिर्मित मंडलीय कार्यालय भवन का वर्चुअल उद्घाटन

गोरखपुर ।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के नवनिर्मित मंडलीय कार्यालय भवन का वर्चुअल उद्घाटन गोरखपुर स्थित खादी और ग्रामोद्योग आयोग के नवनिर्मित मंडलीय कार्यालय भवन का उद्घाटन आज दिनांक 03 अक्टूबर 2025 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार, तथा आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। भवन का निर्माण गोरखपुर के बीएल-3, सेक्टर-7 में किया गया है, जो पूर्वांचल क्षेत्र में खादी और ग्रामोद्योग की गतिविधियों को संगठित व सशक्त करने में सहायक सिद्ध होगा। इस अवसर पर खादी कारीगरों को वर्कशेड का वितरण किया गया.

ग्रामोद्योग से जुड़े कारीगरों को मशीनों और टूल-किट्स का वितरण

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को अनुदान राशि का वितरण

महत्वपूर्ण वक्तव्य

माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने अपने संदेश में कहा कि खादी और ग्रामोद्योग देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सशक्त माध्यम हैं। कारीगर देश की आर्थिक रीढ़ हैं और उनके उत्थान से भारत की अर्थव्यवस्था को नया बल मिलेगा। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कहा कि यह नया भवन न केवल पूर्वांचल में खादी गतिविधियों को बढ़ावा देगा, बल्कि स्थानीय कारीगरों के लिए प्रशिक्षण, सुविधा और समर्थन का एक मजबूत केंद्र बनेगा। यह उद्घाटन कार्यक्रम न केवल खादी और ग्रामोद्योग को नई गति देने वाला है, बल्कि स्थानीय रोजगार, कारीगरों के सशक्तिकरण, और आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी सुदृढ़ करने वाला एक अहम प्रयास है। इस दौरान अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे.

सेवा पखवाड़ा के तहत गांधी-शास्त्री जयंती पर संयुक्त कार्यक्रम

भटनी देवरिया ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन (17 सितंबर) से लेकर 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक चल रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत नगर पंचायत भटनी स्थित मदरसा मकतब जामिया इस्लामिया कादरिया दारूल उलूम विद्यालय प्रांगण में महात्मा गांधी और भारतरत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर संयुक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भटनी मंडल अध्यक्ष रोहित मिश्रा ने की जबकि मुख्य अतिथि रामपुर विधानसभा के विधायक सुरेंद्र चौरसिया रहे। उन्होंने गांधी-शास्त्री के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके जीवन और योगदान पर विस्तार से चर्चा की तथा कहा कि दोनों महापुरुषों ने सत्य, अहिंसा और त्याग के मार्ग पर चलकर देश को स्वतंत्रता दिलाई। आज हम सबको उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लेना चाहिएकार्यक्रम का संचालन एडवोकेट जयप्रकाश मिश्रा ने किया। विद्यालय प्रबंधक एवं गोरखपुर क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रोशन जगीर तथा कल्लू ने गांधी-शास्त्री के जीवन पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसी क्रम में पूर्व मंडल अध्यक्ष विनोद दीक्षित, नगर पंचायत अध्यक्ष विजय कुमार गुप्त उर्फ मुन्ना और योगेश प्रजापति ने भी विचार व्यक्त किए और कहा कि गांधी-शास्त्री के बताए मार्ग पर चलकर ही देश को और अधिक सशक्त व मजबूत बनाया जा सकता है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से आशीष पासवान,कृष्ण दत्त मिश्रा, रमेश चंद्र वर्मा, भोला गुप्ता, प्रतीक मिश्रा, सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, कन्हैया कुशवाहा, बलवंत सिंह, अभय चौरसिया, राजीव चौरसिया, शिवा सरदार मिश्रा, रईस अंसारी ,रिचू तिवारी, दीपक वर्मा, राजन सिंह, शकुंतला यादव, संजय प्रसाद एवं मीडिया प्रभारी शेषनाथ कुशवाहा मौजूद रहे।

विधायक सुरेंद्र चौरसिया रहे मुख्य अतिथि, गांधी-शास्त्री के जीवन मूल्यों को अपनाने पर दिया जोर

समारोह पूर्वक मनाया गया विश्व मुस्कान दिवस

पडरौना, कुशीनगर ।

मारवाड़ी युवा मंच चेतना महिला शाखा पडरौना द्वारा विश्व मुस्कान दिवस को समारोह पूर्वक मनाया गया।विश्व मुस्कान दिवस हर साल अक्टूबर के पहले शुक्रवार को मनाया जाता है। यह दयालुता के कार्यों को बढ़ावा देने और लोगों को मुस्कुराने और दूसरों को मुस्कुराने के लिए प्रोत्साहित करने का दिन है। मंच अध्यक्ष मीनू जिंदल ने बताया कि विश्व मुस्कान दिवस दुनिया भर में कई अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है। कुछ स्माइली फेस वाले कपड़े या एक्सेसरीज़ पहनते हैं। कुछ स्माइली फेस वॉक या प्रतियोगिताओं जैसे आयोजन करते हैं। कुछ लोग बस ज़्यादा बार मुस्कुराने और दूसरों को भी मुस्कुराने का मौका देने की कोशिश करते हैं। ऐसा ही मौका आज मंच ने ग्राम बकुलहा के बच्चों को देने के प्रयास किया। मनोरंजन खेल के साथ मिष्ठान सामग्री देकर उनकी खुशियों को बढ़ाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में प्रिया टिबरेवाल पदमा अग्रवाल रश्मि टिबरेवाल मधु नथानी आदि सम्मिलित रहीं।

गांधी-शास्त्री की जयंती पर विचारों को आत्मसात करने का आह्वान

गांधीजी ने हमें अहिंसा और सत्य की शक्ति दिखाई, वहीं शास्त्रीजी का 'जय जवान-जय किसान' का नारा आज भी राष्ट्र के लिए मार्गदर्शक है। हमें उनके आदर्शों को जीवन में उतारकर समाज एवं देश के उत्थान में योगदान देना चाहिए
— अजीत कुमार सिंह, प्रबंधक एवं जिला पंचायत सदस्य।

भटनी देवरिया।

भरहेचौरा भटनी देवरिया स्थित नन्द कॉलेज ऑफ फार्मेसी, सिद्धेश्वर शीतलदेव नारायण महाविद्यालय एवं सिद्धनाथ इंटर कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारतरत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्रबंधक एवं जिला पंचायत सदस्य अजीत कुमार सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक है जितने स्वतंत्रता संग्राम के दौर में थे। गांधीजी ने हमें अहिंसा और सत्य की शक्ति दिखाई, वहीं शास्त्रीजी ने 'जय जवान-जय किसान' का नारा देकर भारत को नई दिशा दी। दोनों महापुरुषों की जयंती का एक ही दिन पड़ना हम सभी के लिए विशेष प्रेरणा का विषय है। उन्होंने दशहरा पर्व की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आज का दिन हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम गांधी और शास्त्रीजी के विचारों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ संपूर्णानंद तिवारी, प्रवक्ता, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। बच्चों ने देशभक्ति गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अहिंसा और 'जय जवान-जय किसान' आज भी देश के लिए मार्गदर्शक - अजीत कुमार सिंह

किन्नर पट्टी में हुआ प्रधान का चुनाव, अलहम बने विजेता

पडरौना, कुशीनगर ।

विशुनपुरा विकास खंड अंतर्गत किन्नर पट्टी में प्रधान पद का जगह खाली था जिसमें शुक्रवार को ग्राम प्रधान पद का चुनाव उपजिलाधिकारी (एसडीएम) की देखरेख में सम्पन्न हुआ। इस दौरान सभी वार्ड सदस्य मौजूद थे । चुनावी मैदान में दो प्रत्याशी अलहम पुत्र मैनुद्दीन और ललन राजभर पुत्र सुदर्शन आमने सामने रहे।कुल 9 वार्ड सदस्यों ने मतदान में भाग लिया।गिनती के बाद परिणाम घोषित किया गया, जिसमें अलहम को 8 सदस्यों का समर्थन मिला, जबकि ललन राजभर को 1 मत ही मिला। बहुमत के आधार पर अलहम ग्राम प्रधान निर्वाचित घोषित किए गए।चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुई। एसडीएम की मौजूदगी में मतदान एवं मतगणना पूरी पारदर्शिता के साथ की गई।

धूमधाम से मना विजयदशमी का पर्व, लगा मेला

पडरौना, कुशीनगर ।

पडरौना के रामलीला मैदान में दहन हुआ रावण -राज दरबार के वारिस कुंवर आरपीएन सिंह परिवार सहित रहे मौजूद

पडरौना राज दरबार का ऐतिहासिक दशहरा मेला रामलीला मैदान में आयोजित हुआ। मेला में विजयादशमी पर बुराई के प्रतीक रावण का दहन किया गया। रामलीला मंचन के दौरान राम-रावण युद्ध के दृश्य में राम बने कलाकार ने रावण के पुतले में आग जली तीर मारकर उसमें आग लगा दी। देखते ही देखते रावण जलकर राख हो गया। मेला के आयोजक राज दरबार के वारिस व राज्यसभा सांसद आरपीएन सिंह ने अपने समर्थकों, कार्यकर्ताओं व परिवार के साथ इस दृश्य को देखा। 2 अक्टूबर दशहरा के दिन पडरौना का रामलीला मैदान दुकानों व मेलार्थियों से खचाखच भरा हुआ था। मेला में शहर के अलावा आसपास के 10-12 गांवों के बच्चे, बुजुर्ग व महिलाएं पहुंचे हुए थे। मेला में मिठाई व खिलौने की दुकानें आकर्षण का केंद्र बनी हुई थीं। आरपीएन सिंह के साथ सदर विधायक मनीष जायसवाल, पूर्व नपाध्यक्ष शिवकुमारी देवी, ब्लॉक प्रमुख विंध्यवासिनी श्रीवास्तव, संघ के जिला प्रचारक अभय जी व भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने भी मेला का आनंद उठाया। रावण दहन के बाद आसमान से 1 घंटे तक आतिशबाजी होती रही। शाम से लगा मेला गुरुवार की आधी रात तक लगा रहा। राज्यसभा सांसद व पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री आरपीएन सिंह ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सदियों से चली आ रही यह परंपरा निरंतर चलती रहेगी। दशहरा का यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। रावण दहन का यह उद्देश्य है कि बुराई का प्रतीक रावण चाहे कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो एक दिन अच्छाई के प्रतीक राम के हाथों मारा ही जायेगा। इस दौरान, रानी मोहिनी देवी, कुंवरानी सोनिया सिंह, बच्ची देवी, अनिल प्रताप नारायण सिंह, गुड्डू मल्ल, समशेर मल्ल, अभिषेक बंका, अरुण सिंह, टीएन सिंह, कन्हैया सिंह, मंटू बाबा, धनञ्जय तिवारी, मुकेश प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

रामलीला मंचन के दौरान राम-रावण युद्ध के दृश्य में राम बने कलाकार ने रावण के पुतले में आग जली तीर मारकर उसमें आग लगा दी। देखते ही देखते रावण जलकर राख हो गया। मेला के आयोजक राज दरबार के वारिस व राज्यसभा सांसद आरपीएन सिंह ने अपने समर्थकों, कार्यकर्ताओं व परिवार के साथ इस दृश्य को देखा।

जुम्मा की नमाज़ और मूर्ति विसर्जन के दृष्टिगत डीएम और एसपी ने किया पैदल गश्त

पडरौना,कुशीनगर।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने थाना कोतवाली पडरौना क्षेत्रान्तर्गत जुम्मे की नमाज एवं मूर्ति विसर्जन के दृष्टिगत जनपद में शांति व कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से किया फ्लैग मार्च/ पैदल गश्त आज शुक्रवार को जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर व पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने मय पुलिस फोर्स के थाना कोतवाली पडरौना क्षेत्रान्तर्गत जुम्मे की नमाज एवं मूर्ति विसर्जन के दृष्टिगत जनपद मे शांति व कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से जनपद में चाक चौबन्द सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था तथा बालिकाओं/ महिलाओं की सुरक्षा के दृष्टिगत प्रमुख मार्गों,चौराहों,बाजारों व भीड़-भाड़ वाले स्थानों आदि पर पैदल गस्त किया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। पैदल गस्त के दौरान आम जन/श्रद्धालुओं से वार्ता करके सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए आश्वस्त किया कि जनपद में पुलिस शांति,सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कटिबद्ध है। इस दौरान उपजिलाधिकारी पडरौना, क्षेत्राधिकारी सदर, प्रभारी निरीक्षक पडरौना, यातायात निरीक्षक कुशीनगर, पीआरओ पुलिस अधीक्षक कुशीनगर सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

लिव-इन-पार्टनर को दोबारा साथ लाने के लिए किया बच्चे का अपहरण, पुलिस ने तीन को किया अरेस्ट

नई दिल्ली। एक महिला के पूर्व लिव-इन पार्टनर ने उसके सात वर्षीय बच्चे का अपहरण कर लिया ताकि मां पर उसके पास वापस लौटने का दबाव बना सके. एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि पुलिस ने हालांकि बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया और मुख्य आरोपी व उसके तीन साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया है. पुलिस ने बताया कि महिला की पूर्व में शादी हो चुकी थी और उसका एक बेटा है. उसका अपने पति से तलाक हो चुका है. तलाक के बाद महिला मुख्य आरोपी अजय वर्मा (24) के साथ हरियाणा के हांसी में रह रही थी. हालांकि, वर्मा जब बात-बात पर टोकाटोकी करने लगा और उसका रवैया हिंसक हो गया, तो महिला ने उससे रिश्ता तोड़ दिया और दिल्ली में अपने माता-पिता के घर चली गई. उन्होंने बताया कि मोबाइल मरम्मत का काम करने वाले वर्मा ने कथित तौर पर अपने साथियों के साथ मिलकर लड़के का अपहरण करने की साजिश रची ताकि वह महिला पर दोबारा साथ रहने के लिए दबाव डाल सके. उसके साथियों की पहचान एक टेंट हाउस में काम करने वाले 18 वर्षीय अमित, फैक्टरी में काम करने वाले 20 वर्षीय सचिन और सफाई कर्मचारी 20 वर्षीय अजय के रूप में हुई है. अमित और सचिन हरियाणा के हिसार के रहने वाले हैं, जबकि अजय दिल्ली के विकासपुरी का रहने वाला है. पुलिस के अनुसार, बच्चे की मां ने 28 सितंबर को विकासपुरी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसका बेटा पिछले दिन स्कूल से घर नहीं लौटा और उसने संदेह जताया कि वर्मा ने उसका अपहरण कर लिया है. उन्होंने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है. पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) शरद भास्कर दराडे ने कहा कि पुलिस दल ने स्कूल के पास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की जांच की और पाया कि दो लोगों ने मोटरसाइकिल पर बच्चे का अपहरण किया था. उन्होंने कहा, आरोपियों द्वारा बार-बार मोबाइल फोन बंद करने के बावजूद, पुलिस ने तकनीकी निगरानी और सोशल मीडिया निगरानी के माध्यम से उनकी गतिविधियों पर नजर रखी. दिल्ली के विकासपुरी निवासी अजय नाम के एक आरोपी को जल्द ही पकड़ लिया गया और उससे पूछताछ की गई. उसने बताया कि वर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए उससे संपर्क किया था और उसे बंदूक का इंतजाम करने को कहा था. डीसीपी ने बताया कि सुराग के आधार पर पुलिस ने हांसी के एक खेत पर छापेमारी कर वर्मा को बच्चे और उसके दो साथियों के साथ पकड़ा. उन्होंने बताया कि छापेमारी कर लड़के को सुरक्षित छुड़ा लिया गया और वर्मा, अमित तथा सचिन को गिरफ्तार कर लिया गया. इसी दौरान, विकासपुरी स्थित उसके घर से अजय को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके पास से एक पिस्तौल जब्त की गई. उन्होंने बताया कि उसके खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत एक अलग प्राथमिकी दर्ज की गई है. अधिकारियों ने बताया कि सचिन के अलावा अन्य का कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है.

युवाओं को तोहफा देंगे प्रधानमंत्री मोदी, 62000 करोड़ की योजनाएं करेंगे लॉन्च; बिहार पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को युवाओं और शिक्षा से जुड़ी कई बड़ी योजनाओं की सौगात देंगे। इन योजनाओं का विशेष फोकस बिहार पर रहेगा। जिसमें पीएम-सेतु, स्किल लैब्स, एनआईटी पटना का नया कैंपस भी शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को युवाओं और शिक्षा से जुड़ी कई बड़ी योजनाएं शुरू करने वाले हैं। इन योजनाओं की कुल लागत 62,000 करोड़ रुपये से ज्यादा है। सरकार का कहना है कि इससे युवाओं की पढ़ाई, स्किल ट्रेनिंग (कौशल विकास) और रोजगार के मौके बढ़ेंगे।

पीएम-सेतु योजना (60,000 करोड़ का निवेश)

पीएम मोदी प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई (पीएम-सेतु) नाम की नई योजना लॉन्च करेंगे। इसके तहत देशभर के 1,000 सरकारी आईटीआई कॉलेज आधुनिक बनाए जाएंगे। इसमें 200 आईटीआई हब होंगे और 800 आईटीआई उससे जुड़े रहेंगे। हर हब में नई तकनीक, डिजिटल लर्निंग, इनोवेशन सेंटर, ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स और प्लेसमेंट सर्विस होंगी। इसे वर्ल्ड बैंक और एशियन डेवलपमेंट बैंक भी सहयोग देंगे। पहली कड़ी में बिहार के पटना और दरभंगा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

स्किल लैब्स और स्कूलों में प्रशिक्षण

34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 400 नवोदय विद्यालय और 200 एकलव्य मॉडल स्कूलों में 1200 स्किल लैब्स खोली जाएंगी। इसमें बच्चों को 12 प्रमुख सेक्टर जैसे आईटी, ऑटोमोबाइल, कृषि, इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन में ट्रेनिंग मिलेगी। इसके लिए 1200 विशेष शिक्षक भी तैयार किए जाएंगे।

बिहार पर खास फोकस

बिहार चुनाव से पहले युवाओं के लिए कई योजनाएं शुरू की जाएंगी।

मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना- हर साल पांच लाख ग्रेजुएट युवाओं को दो साल तक 1000 मासिक भत्ता और मुफ्त स्किल ट्रेनिंग।

बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (नया रूप)- छात्रों को चार लाख रुपये तक का बिना ब्याज शिक्षा ऋण मिलेगा। अब तक 3.92 लाख छात्रों ने 7880 करोड़ के लोन लिए हैं।

बिहार युवा आयोग- 18 से 45 साल तक के युवाओं के लिए आयोग बनेगा, जिससे उनकी ऊर्जा और प्रतिभा का सही उपयोग हो सके।

जननायक कर्पूरी ठाकुर स्किल यूनिवर्सिटी- यह यूनिवर्सिटी युवाओं को उद्योग आधारित कोर्स और व्यावसायिक शिक्षा देगी।

एनआईटी पटना का नया कैंपस (बिहटा)

पीएम मोदी एनआईटी पटना का बिहटा कैंपस देश को समर्पित करेंगे। इसमें 6500 छात्रों की क्षमता है। यहां 5जी सेवा प्रयोगशाला, इसरो के साथ बना स्पेस रिसर्च सेंटर और इनोवेशन सेंटर है, जिसने पहले ही नौ स्टार्टअप्स को सहयोग दिया है।

पाकिस्तान में 300 किलोमीटर भीतर हमला किया, दुनिया को हमसे सीखना चाहिए : वायुसेना प्रमुख

नई दिल्ली । वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने स्पष्ट उद्देश्य के साथ ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था और उद्देश्य पूरा होने के साथ ही इसे समाप्त कर दिया गया और इससे पूरी दुनिया को इससे सबक लेना चाहिए। वायु सेना दिवस से पहले एक संवाददाता सम्मेलन में एयर चीफ मार्शल ने यह भी कहा कि वायु सेना ने अपनी लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ाने के लिए 'रोडमैप 2047 तैयार किया है। ऑपरेशन सिंदूर के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यह तीनों सेनाओं के तालमेल का प्रतिबिंब है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को हुए नुकसान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हवा में हमारे पास लंबी दूरी वाले एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम (अवाक्स) और चार से पांच लड़ाकू विमानों के सबूत हैं। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान के रडार, कमांड और कंट्रोल सेंटर, रनवे और हैंगर आदि को नुकसान पहुंचा था। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारत ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था जिसमें पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाकों में आतंकी ढांचों को निशाना बनाया गया। इन हमलों के बाद चार दिनों तक भीषण सैन्य संघर्ष हुआ जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनने के बाद समाप्त हुआ। एक सवाल के जवाब में वायुसेना प्रमुख ने कहा कि तीनों सेनाओं ने हवाई रक्षा प्रणाली सुदर्शन चक्र पर काम करना शुरू कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को भारत के महत्वपूर्ण सैन्य और नागरिक प्रतिष्ठानों की रक्षा करने और किसी भी खतरे का निर्णायक जवाब देने के लिए एक स्वदेशी हवाई रक्षा प्रणाली विकसित करने की परियोजना की घोषणा की थी। यह पूछे जाने पर, कि क्या भारतीय वायुसेना और अधिक एस-400 हवाई रक्षा मिसाइलें खरीदने पर विचार कर रही है, एयर चीफ मार्शल ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया लेकिन कहा कि यह प्रणाली अच्छी साबित हुई।

पक्षपात के चश्मे से नहीं पीड़ा भरी आँख से भी देखा जाना चाहिए : अखिलेश यादव

लखनऊ ।

रिपोर्ट में बताया गया है कि 2012-2017 के बीच यूपी में 815 दंगे हुए थे, जिनमें 192 लोग मारे गए। वहीं 2007-2011 में 616 घटनाओं में 121 मौतें हुईं।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 'क्राइम इन इंडिया 2023 रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था के स्थिति की तारीफ की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 में यूपी में सांप्रदायिक और धार्मिक दंगों की संख्या शून्य रही। ऐसे में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में दलित उत्पीड़न की बढ़ती घटनाओं को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला है। उनका कहना है कि भाजपा सरकार के कामकाज को सिर्फ पक्षपात के चश्मे से नहीं, बल्कि पीड़ा भरी आँख से भी देखा जाना चाहिए।

एक श्वेतपत्र इस काले अपराध पर भी आना चाहिए

अखिलेश यादव ने ये भी कहा, एक जाँच आयोग इसके लिए भी बैठाया जाए। एक विशेष वाहिनी, दलित-दमन के उन्मूलन के लिए भी बनाई जाए। एक श्वेतपत्र इस काले अपराध पर भी आना चाहिए। एक रोड शो इस समस्या के बारे में भी जागरूकता फैलाने के लिए निकाला जाए। एक 'पाँच हज़ार वर्षीय आयोजन, इस ऐतिहासिक उत्पीड़न की 'पंच सहस्राब्दी के रूप में, चेतना जगाने के लिए भी आयोजित किया जाए।

2017 के बाद कोई बड़ा दंगा नहीं हुआ

गौरतलब है कि एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, यूपी में अपराध दर राष्ट्रीय औसत से 25 प्रतिशत कम रही। देश में कुल अपराध दर 448.3 थी, जबकि यूपी में यह केवल 335.3 दर्ज की गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2012-2017 के बीच यूपी में 815 दंगे हुए थे, जिनमें 192 लोग मारे गए। वहीं 2007-2011 में 616 घटनाओं में 121 मौतें हुईं। इसके विपरीत, 2017 के बाद कोई बड़ा दंगा नहीं हुआ। बरेली और बहराइच में हुई दो हिंसक घटनाओं को भी सरकार ने 24 घंटे के भीतर नियंत्रित कर शांति बहाल कर दी।

एक होर्डिंग इस सच का भी लगना चाहिए...

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि एक आँकड़ा ये भी है। भाजपा सरकार के काम को सिर्फ पक्षपात के चश्मे से नहीं, पीड़ा भरी आँख से भी देखा जाए। उप्र में दलित दमन चरम पर है। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि एक टीवी शो इस आँकड़े पर भी होना चाहिए। एक होर्डिंग इस सच का भी लगना चाहिए। एक विस्तृत रिपोर्ट इस पर भी समाचार के रूप में प्रसारित-प्रकाशित होनी चाहिए। एक एसआईटी इसकी विवेचना के लिए भी बननी चाहिए। एक अध्याय इसके लिए भी, पाठ्यक्रम में जोड़ा जाए।

इस बार छोड़ेंगे नहीं, नक्शे से मिटा देंगे- आर्मी चीफ

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी है कि वो आतंकवाद का समर्थन बंद कर दे नहीं तो अपनी भौगोलिक उपस्थिति गंवा देगा। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा है कि अगर पाकिस्तान को नक्शे पर अपनी जगह बनाए रखनी है, तो उसे राज्य प्रायोजित आतंकवाद बंद करना होगा। राजस्थान के अनूपगढ़ में बोलते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा, एक देश के रूप में भारत पूरी तरह से तैयार है। इस बार हम ऑपरेशन सिंदूर 1.0 जैसा संयम नहीं रखेंगे। इस बार हम कुछ ऐसा करेंगे कि पाकिस्तान को सोचना पड़ेगा कि वो भूगोल में रहना चाहता है या नहीं।

अगर पाकिस्तान भूगोल में रहना चाहता है, तो उसे राज्य प्रायोजित आतंकवाद रोकना होगा। उन्होंने जवानों से तैयार रहने को भी कहा। सेना प्रमुख ने कहा, अगर ईश्वर ने चाहा तो आपको जल्द ही मौका मिलेगा। शुभकामनाएं। जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया को पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों की मौजूदगी के सबूत दिए थे। उन्होंने कहा कि अगर भारत ये सबूत उजागर न करता, तो पाकिस्तान ये सब छिपा लेता। सेना प्रमुख ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद जब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, तो पूरी दुनिया उसके साथ खड़ी थी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर

'जवानों तैयार रहना है, तैयारी पूरी है

'सीमा पर रहने वाले नागरिक आम नागरिक नहीं, सैनिक है

जनरल उपेंद्र द्विवेदी की पाकिस्तान को चेतावनी

नौ ठिकानों को निशाना बनाया, जिनमें से सात थलसेना ने और दो वायुसेना ने। अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास रहने वालों से अपनी अपील के बारे में पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा, हम सीमा पर रहने वाले लोगों को आम नागरिक नहीं, बल्कि सैनिक मानते हैं। इसका मतलब है कि वे लड़ाई में हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि आने वाला संघर्ष राष्ट्र का संघर्ष है, केवल सेना का नहीं। जनरल द्विवेदी की यह चेतावनी एयर चीफ मार्शल एपी सिंह की उस टिप्पणी के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारतीय सेना ने मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अमेरिका निर्मित एफ-16 और चीनी जेएफ-17 सहित चार से पांच पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को मार गिराया था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद करारा जवाब देने के लिए भारत की ओर से बड़ा सैन्य अभियान चलाया गया। 7 मई की सुबह-सुबह सैन्य अभियान के तहत भारतीय सेना ने लंबी दूरी के सटीक हथियारों का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान और पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) में नौ आतंकी शिविरों पर हमला किया।

वांगचुक की गिरफ्तारी अवैध, पत्नी का दावा- पीएम-राष्ट्रपति ने अभी तक नहीं दिया चिट्ठी का जवाब

नई दिल्ली । जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद से देशभर इस मामले को लेकर बातचीत तेज है। ऐसे में इस मामले में चर्चा और ज्यादा तेज तब हो गई जब वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने सुप्रीम कोर्ट में तुरंत रिहाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने के बाद उनकी कथित गैरकानूनी गिरफ्तारी को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में उन्होंने बताया कि उन्होंने इस मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को पत्र लिखा था, लेकिन अब तक कहीं से कोई जवाब नहीं मिला है। बातचीत के दौरान गीतांजलि ने साफ-साफ कहा कि मैंने चिट्ठी में साफ लिखा कि उनकी गिरफ्तारी गैरकानूनी है और उन्हें तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। वो देश की सुरक्षा के लिए कोई खतरा नहीं है। अंगमो ने कहा कि मैंने उनसे मिलने की अनुमति भी मांगी थी, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। इसी वजह से हमें सुप्रीम कोर्ट में हैबियस कॉर्पस याचिका दायर करनी पड़ी।

नहीं मिल रही न्यायिक मदद

गीतांजलि अंगमो ने कहा कि उन्हें अब तक न्यायिक रूप से कोई मदद नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि सिर्फ एक कॉल आया जिसमें बताया गया कि डीएसपी ने किसी को कहा है कि कुछ लोग सोनम से मिल सकते हैं। मैंने कहा कि यह बात मुझे लिखित में दी जाए, लेकिन मुझे अब तक कुछ नहीं मिला।

निगरानी और स्टाफ पर आरोप, देशभर के लोगों से की ये अपील

इसके साथ ही उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें दिल्ली में लगातार फॉलो किया जा रहा है। एक गाड़ी हर जगह मेरे पीछे चलती है। जो स्टाफ हमारे साथ काम कर रहा था, उन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उन पर मानसिक और शारीरिक अत्याचार किया जा रहा है। गीतांजलि अंगमो ने चिंता जताई कि सोनम वांगचुक जेल में किस हालत में होंगे। उन्होंने कहा कि अगर एक ऐसे व्यक्ति को न्याय नहीं मिल रहा, जिसके साथ पूरा देश खड़ा है, जिसने जमीनी स्तर पर काम किया है, तो आम आदमी को क्या उम्मीद हो सकती है? उन्होंने पूरे देश से अपील की कि यह मामला सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था में आम लोगों की आस्था का है।

पूर्णिया में वंदे भारत एक्सप्रेस की चपेट में आने से 4 लोगों की मौत, कई घायल

बिहार । बिहार के पूर्णिया में शुक्रवार को वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, घायलों को इलाज के लिए जीएमसी भेज दिया गया है। रेलवे पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जाँच शुरू कर दी है।दुर्घटना का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है। जोगबनी से पाटलिपुत्र जाने वाली वंदे भारत ट्रेन सुबह लगभग 5:00 बजे कस्बे के पास से गुजर रही थी, जब यह दुर्घटना हुई। दुर्घटना के कारणों के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं है क्या यह रेलवे क्रॉसिंग कर्मचारी की लापरवाही थी या लोगों ने तेज गति वाली ट्रेन को अनदेखा करके क्रॉसिंग पार करने की कोशिश की।

पंजाब को दहलाने की साजिश नाकाम! आईएसआई से जुड़ा शख्स गिरफ्तार, 2 हैंड ग्रेनेड बरामद

पंजाब। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने शुक्रवार को एक पोस्ट में कहा, एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने तरनतारन निवासी रविंदर सिंह उर्फ रवि को गिरफ्तार किया और उसके पास से दो हथगोले बरामद किए। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जाँच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान के आईएसआई एजेंटों के संपर्क में था और उसे सीमा पार से यह खेप मिली थी। डीजीपी ने बताया कि अमृतसर के घरिंडा थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। यादव ने कहा कि पूरे नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की जाँच जारी है। उन्होंने आगे कहा पंजाब पुलिस आतंकवादी नेटवर्क को बेअसर करने, संगठित अपराध को खत्म करने और राज्य भर में शांति एवं जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले बुधवार को, सीमा सुरक्षा बल ने अमृतसर में भारत-पाकिस्तान सीमा पर 3 किलोग्राम से अधिक आइस ड्रग (मेथैम्फेटामाइन) बरामद किया, एक अधिकारी ने बताया। बुर्ज गाँव के पास एक इलाके में तलाशी अभियान के दौरान, बीएसएफ के जवानों ने 3.165 किलोग्राम वजन के नशीले पदार्थों से भरा एक बैग बरामद किया। एक अन्य घटना में बीएसएफ ने पंजाब पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में तरनतारन जिले के दल गाँव के पास एक खेत से एक ड्रोन और 580 ग्राम वजन की हेरोइन का एक पैकेट बरामद किया। अधिकारी ने कहा कि ये बरामदगी सीमा पार नशीले पदार्थों की आपूर्ति के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करने वाले पाकिस्तानी तस्करों के दुर्भावनापूर्ण प्रयासों को विफल करने के बीएसएफ के निरंतर प्रयासों का प्रतीक है।

आई लव मोदी कहना आसान पर आई लव मोहम्मद पर आपत्ति- असदुद्दीन ओवैसी

नई दिल्ली। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि संभल मस्जिद का मामला अदालत में चल रहा है, लेकिन देश में मस्जिदों को छीना जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि इस देश में आई लव मोदी कहना तो आसान है, लेकिन आई लव मोहम्मद कहने पर आपत्ति क्यों होती है।

ओवैसी ने कहा कि अगर मैं मुसलमान हूं तो मोहम्मद साहब की वजह से हूं। आजादी की लड़ाई में 17 करोड़ भारतीयों ने हिस्सा लिया था। हिंसा की हम निंदा करते हैं, लेकिन वीडियो में दिख रहा है कि पुलिस लाठीचार्ज कर रही है और दुकानदार उन पर फूल बरसा रहे हैं। पुलिस सिर्फ सत्ता में बैठे लोगों की जवाबदेह है। सत्ता बदलेगी तो यही पुलिस आपको भी पीटेगी। उन्होंने कहा कि पैगंबर मोहम्मद का नाम किसी और का नहीं हो सकता। अगर उनकी तस्वीरें या पोस्टर लगाए जाते हैं तो उनका सम्मान करना चाहिए। ओवैसी ने सरकार से पूछा कि इतने कानून क्यों बनाए जा रहे हैं? असम में 3000 मुसलमानों को यह कहकर बेघर कर दिया गया कि वे सरकारी जमीन पर रह रहे थे। उन्होंने अपील की कि हालात से घबराने की जरूरत नहीं है।

शांतिपूर्ण माहौल में हुई जुमे की नमाज

बरेली । बरेली में शुक्रवार को जुमे की नमाज के चलते कड़ी सुरक्षा व्यवस्था है। हालांकि, शहर में हालात पूरी तरह सामान्य है। दोपहर करीब तीन बजे तक शांतिपूर्ण माहौल में करीब 90 फीसदी मस्जिदों में जुमे की नमाज संपन्न हो गई है। शहर के कुतुबखाना, आजमनगर, बिहारीपुर और पुराना शहर में सभी मस्जिदों में शांतिपूर्ण तरीके से नमाज संपन्न हुई। नमाज के तय वक्त पर लोग मस्जिदों में आते रहे और नमाज पढ़कर घर वापस हो गए। मस्जिदों से अमन और शांति बनाए रखने की अपील की गई। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी एसपी सिटी ऑफिस में कैंप कर नजर बनाए हुए हैं। संवेदनशील और मिश्रित आबादी वाले इलाकों में ड्रोन से निगरानी की जा रही है। बाजारों में आम दिनों की तरह चहल-पहल है।

करूर भगदड़ हादसे की सीबीआई जांच की मांग, हाईकोर्ट ने भाजपा नेता को मदुरै बेंच जाने को कहा

चेन्नई । करूर भगदड़ हादसे की सीबीआई जांच की मांग को लेकर मद्रास उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई। हालांकि उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को यह याचिका खारिज कर दी और याचिकाकर्ता को मदुरै पीठ जाने का निर्देश दिया है। यह याचिका भाजपा नेता उमा आनंदन ने 27 सितंबर को दायर की थी। याचिका में करूर में अभिनेता-राजनेता विजय की जनसभा में हुई भगदड़ की सीबीआई जांच की मांग की गई है, जिसमें 41 लोगों की मौत हो गई और 60 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। याचिका में कहा गया कि इस घातक घटना के पीछे सरकारी उदासीनता सहित कई सवाल हैं। शुक्रवार को एक खंडपीठ ने याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ता को उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ का दरवाजा खटखटाने का निर्देश दिया क्योंकि यह मदुरै पीठ के न्यायाधिकार का मामला है।

उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने शुक्रवार को नमक्कल के एक टीवीके पदाधिकारी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। टीवीके नेता पर एक निजी अस्पताल पर हमले का आरोप है। टीवीके के नमक्कल (पश्चिमी तमिलनाडु) जिला सचिव सतीश कुमार ने अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। 27 सितंबर को विजय की रैली के दौरान अस्पताल पर हुए हमले से टीवीके नेता सतीश कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था और गिरफ्तारी के डर से उन्होंने अदालत का रुख किया।,न्यायाधीश ने पूछा कि टीवीके प्रमुख विजय के रोड शो के दौरान पार्टी भीड़, कार्यकर्ताओं के अनियंत्रित व्यवहार, तोड़फोड़ और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान से बचाने क्यों विफल रही? सरकारी वकील एस संतोष ने दलील दी कि सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने के संबंध में जिला सचिव सहित टीवीके कार्यकर्ताओं के खिलाफ 9 प्राथमिकी दर्ज की गई थीं। उन्होंने अग्रिम जमानत देने पर आपत्ति जताई।